फिरोजाबाद के कांच उद्योग को आवंटित कोयले के रेक

4898. **श्री रामजी लाल सुमन :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि फ़िरोजाबाद कांच उद्योग के लिए प्रति माह कितने कोयला रेक का आवंटन किया जाता है और विगत पांच महीनों के दौरान इस उद्योग को प्रति माह कितनी रेक आवंटित की गई तथा गत जून मास में, कितनी रेक सप्लाई की गई और यदि सप्लाई किये गये कोयले की मात्रा आवंटित मात्रा से कम थी तो इसके क्या कारण थे और उन्हें दूर करने के लिए क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : जनवरी से जून, 1977 तक की अवधि के दौरान प्रत्येक महीनें में फिरोजाबाद के कांच उद्योग को आवंटित किये गये कोयले के रकों की संख्या नीचे दी गई हैं :—

महीना	1977 में आवंटित किये गये रेकों की संख्या
1	2
जनवरी	10
फरवरी	14
मार्च	14
अप्रैल	13
मई	10
जून	8
जोड़	69

जून, 1977 के दौरान आवंटित सभी आठों रेक सप्लाई किये जा चुके हैं एवं उनका लदान भी हो चुका है ।

Conversion of Naupada-Gunupur Line into Broad Gauge Line (South Eastern Railway)

4899. SHRI GIRIDHAR GOMANGO: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state. :

(a) whether his Ministry has decided to convert some of the narrow gauge lines into broad gauge lines in the current financial year;

(b) what are the important recommendations made by the "Un-econoic Branch Line" Committee on narrow gauge lines of Orissa (South Eastern Railway); and

(c) whether there is any proposal to convert Naupada-Gunupur narrow gauge line into broad gauge line up to Bisam-Cuttack ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) No.

(b) The uneconomic Branch Lines Comittee had recommended that the extension of the Naupada -Gunupur narrow gauge line should be examined in consultation with the agencies concerned with the development of tribal areas. Track and rolling stock should be rehabilitated. As regards Rupsa-Talband narrow gauge line, the Committee had recommended survey for conversion of the line into broad gauge, reopening of the line between Bangriposi and Talband for traffic and examination of extension of the line upto Rairangpur in consultation with the agencies concerned with the development of tribl areas.

(c) There is no proposal under consideration to convert Naupada-Gunupur line into broad gauga at present.

एमरजेंसी काल में उत्तर रेलवे में डाक्टरों की तदर्थ नियुक्तियां

4900. **श्री राम प्रसाद देशमुख :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर रेलवे में एमरजेंसी काल में डाक्टरों की कितनी तदर्थ नियुक्तियां की गई और ये नियुक्तियां करने वाला अधिकारी कौन था ;

(ख) उनमें से कितने लोग उत्तर प्रदेश के हैं और उनकी जिलेवार संख्या कितनी है; और

(ग) इनमें से कितने व्यक्ति संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से चुने गये डाक्टरों की नियुक्ति के पश्चात् नौकरी से हटा दिये गये और यदि नहीं हटाये गये तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते): (क) आपात काल के दौरान तदर्थ आधार पर उनतीस (29) डाक्टरों की नियुक्ति की गयी थी। ये नियुक्तियां उत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक द्वारा की गई थीं।

(ख) 29 में से 14 उत्तर प्रदेश के हैं, जनका जिलावार ब्यौरा निम्नलिखित है :—

आगरा	3
बुलंदशहर	1
एटा	1
फरुखाबाद	1
कानपुर	1
लखनऊ	3
मुरादाबाद	2
रामपुर	1
सुलतानपुर	1

(ग) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्तियों ने अभी कार्यभार नहीं सम्भाला है।

एमरजेंसी हटने के पश्चात् उत्तर रेलवे में डाक्टरों की तदर्थ आधार पर नियुक्ति

4901. **श्री राम प्रसाद देशमुख :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एमरजेंसी हटने के बाद से उत्तर रेलवे में तदर्थ आधार पर कितने डाक्टर नियुक्त किये गये और उन्हें कहां-कहां नियुक्त किया गया ;

(ख) जिन स्थानों पर उन्हें नियुक्त किया गया वहां पर डाक्टरों की कमी होने का मूल्यांकन किस आधार पर किया गया; और

(ग) क्या इन स्थानों पर रोगियों की संख्या बढ़ गई थी ; और यदि हां, तो इन स्थानों के क्या नाम हैं और वहां इस संख्या में कितनी वृद्धि हुई थी ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते): (क) एक विवरण संलग्न है।

(ख) सेवा निवृत्ति, त्यागपत्र आदि के परिणामस्वरूप रिक्त हुए केवल नियमित पदों पर ही नियुक्तियां की गई थीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।